हरिभूमि
सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 28 दिसंबर 2025

04 प्रभात फेरी में महिलाएं, बच्चे, पुरुष, गुरबाणी कीर्तन करते...

07 गाहे बगाहे रस्म अदायगी के तौर पर हो रही बाजार...

खबर संक्षेप

कांग्रेस पार्टी की स्थापना दिवस पर शहर कांग्रेस करेगी ध्वजारोहण

सागर। कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर 28 दिसंबर दिन रविवार को जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश जाटव की अध्यक्षता में सुबह 9 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया गया है तत्पश्चात सुबह 10.30 बजे शहर कांग्रेस सेवादल परिवार का मासिक ध्वजवंदन कार्यक्रम राजीव गांधी भवन, जिला शहर कांग्रेस कार्यालय, तीनबत्ती पर संपन्न होगा। ध्वजारोहण कार्यक्रम पूर्व पार्षद राकेश राय के करकमलों से संपन्न होगा। ध्वजवंदन कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस सेवादल के महासचिव विजय साहू उपस्थित रहेंगे। शहर सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे आप सभी कांग्रेस परिजनों से अपील करते है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा का परिचय दे।

आज लगेगा दूसरा जैविक/प्राकृतिक हाट बाज़ार

सागर। जिला प्रशासन सागर एवं कृषि विभाग व आत्मा परियोजना सागर की पहल पर शुरू किए गए जैविक/प्राकृतिक हाट बाज़ार ने अपने पहले ही आयोजन में जिले में नई मिसाल कायम की है। नागरिकों और किसानों से मिले उत्साहजनक प्रतिसाद के बाद इसका दूसरा साप्ताहिक आयोजन रविवार, 28 दिसंबर को पीटीसी ग्राउंड, पीली कोठी, पहलवान बब्बा मंदिर के समीप आयोजित किया जाएगा। गत रविवार 21 दिसंबर को आयोजित पहले हाट बाज़ार में बड़ी संख्या में जैविक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसान अपने उत्पाद लेकर पहुंचे थे। वहीं, शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए उपभोक्ताओं ने सीधे किसानों से खाद्य सामग्री खरीदी। लोगों ने इस व्यवस्था को पारदर्शी, भरोसेमंद और उपभोक्ता हितैषी बताया। इस हाट बाज़ार के माध्यम से किसानों को पहली बार ऐसा मंच मिला है, जहां वे अपनी उपज का मूल्य स्वयं तय कर पा रहे हैं। मंडी व्यवस्था में जहां किसानों को अपनी फसल कम दाम पर बेचनी पड़ती थी और बिचौलियों के कारण उपभोक्ताओं तक वही उत्पाद महंगे दामों में पहुंचता था, वहीं जैविक हाट बाज़ार ने इस पूरी श्रृंखला को सरल और न्यायसंगत बना दिया है। इसका सीधा लाभ किसानों की आमदनी और उपभोक्ताओं की जेब दोनों को मिल रहा है।

अब भू-अधिकार ऋण पुस्तिका ऑनलाइन

सागर। किसानों और आम जनता को भू-अधिकार ऋण पुस्तिका प्राप्त करने के लिए अब पटवारी के पास जाने की जरूरत नहीं है। आम जनता की सुविधा के लिये भू-अधिकार ऋण पुस्तिका को ऑनलाइन कर दिया गया है। कोई भी व्यक्ति अपनी भू-अधिकार ऋण पुस्तिका को नजदीकी कियोस्क सेंटर अथवा कॉमन सर्विस सेंटर या स्वयं के एन्ड्रायड मोबाइल से निर्धारित शुल्क 10 रूपये अदा कर ले सकता है।

सहकारी समितियों का पंजीयन ऑनलाइन

सागर। जिले में सहकारी समितियों का पंजीयन अब केवल ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा। ऑनलाइन प्रक्रिया से समितियों का पंजीयन करवाने के लिए संबंधित व्यक्तियों को कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं है। उपायुक्त सहकारिता ने बताया कि समितियों के पंजीयन के लिए विभागीय ऑनलाईन पोर्टल पर जाकर 21 व्यक्ति मिलकर सहकारी समिति का गठन कर सकते हैं। पोर्टल पर नवीन संस्था का आवेदन करने के लिए आवेदक उल्लेखित लिंक पर जाकर स्वयं एमपी ऑनलाईन नागरिक सुविधा केन्द्र के माध्यम से आवेदन कर सकता है। आवेदक को पोर्टल पर अपना लॉग इन क्रिएट करना होगा। लॉग इन क्रिएट करने के लिए आधार से लिंक मोबाईल नंबर प्रविष्टि कर ओटीपी सत्यापन होगा। प्रस्तावित संस्था की जानकारी एवं प्रथम आवेदन की जानकारी भरकर पासवर्ड निर्मित करेगा। तत्पश्चात आवेदक का लॉगिन निर्मित हो जाएगा।

श्रद्धेय गुरु गोविंद सिंह जी के 4 पुत्रों ने हमारे देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया

सामाजिक समरसता हमारे धर्म, संस्कृति और भारतीय दर्शन का मूल सार : पूर्व गृहमंत्री, विधायक भूपेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

श्रद्धेय गुरु नानक देव जी द्वारा आरंभ की गई लंगर और पंगत परंपरा सामाजिक समरसता का प्रमाण हैं। यही पद्धति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में है जहां किसी से जाति, धर्म,पंथ नहीं पूछा जाता। सामाजिक समरसता हमारे धर्म, संस्कृति और भारतीय दर्शन का मूल है। यह उद्गार पूर्व गृहमंत्री खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने यहां आयोजित सामाजिक समरसता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहमंत्री, भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता की नींव सत्य और बलिदान पर टिकी होती है। श्रद्धेय गुरु गोविंद सिंह जी के 4 पुत्रों ने हमारे देश,धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। दो बड़े पुत्र मुगलों से लड़ते हुए चमकोर के युद्ध में शहीद हुए। उनके दो बेटों जोरावर सिंह और फतह सिंह की उम्र तब 9 और 7 साल थी जब मुगलों ने इस्लाम स्वीकार करने से इंकार करने पर जीवित दीवार में चुनवा दिया। पूर्व गृहमंत्री सिंह ने बताया कि जब इन वीर बालकों से मुगल सेनापति वजीर

खां ने इन बच्चों को मौत से डराया तो बच्चों ने कहा कि यह दीवार हमारी मृत्यु का नहीं तुम्हारे जुल्म के अंत का स्मारक बनेगी।

पूर्व गृहमंत्री सिंह ने कहा कि देश और संस्कृति के लिए ऐसी शहादत देने वाले बच्चों के बलिदान दिवस को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने वीर बाल दिवस के रूप में देश भर में मनाने की पहल की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से राष्ट्र में पुनर्जागरण के साथ हिंदुत्व, संस्कृति और राष्ट्र के संरक्षण संवर्धन का महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मानता है कि कोई भी राष्ट्र तभी मजबूत हो सकता है जब उसे राष्ट्र के में सामाजिक समरसता हो। हमारे सिख समाज में आज भी लंगर चलता है वहां सामाजिक समरसता देखने मिलती है। भारतीय संस्कृति में कभी जाति प्रथा को महत्व नहीं दिया गया। जाति, धर्म ,पंथ को बढ़ावा भारत को गुलाम बनाने वाले विदेशी आक्रांताओं ने दिया। इनमें से कुछ तत्व आज भी वोटों के लिए इसी विभाजन कारी मानसिकता को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम ने वनवासियों के, शबरी के जूठे बेर खाकर निषाद राज को गले लगा कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। भगवान श्री कृष्ण ने दुर्योधन के भोज आमंत्रण पर उसके 56 भोग छोड़ कर दासी पुत्र महात्मा विदुर के घर जाकर उनका भोजन स्वीकार किया। इससे पता चलता है कि हमारे समाज में सामाजिक समरसता आज से नहीं है प्राचीन काल से रही है। सामाजिक समरसता हमारे धर्म संस्कृति और भारतीय दर्शन का मूल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी सामाजिक समरसता को लेकर चलता है। संघ राष्ट्र और समाज के लिए अपना सर्वस्व देता है, लेता कुछ नहीं। भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि सबसे प्रामाणिक रामायण महर्षि वाल्मीकि जी कृत रामायण है। संत कबीर दास जी ने कहा है 'जाति पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजै सो हरि को होई'। संत रविदास जी संत रविदास जी का संकल्प था कि' ऐसा चाहूं राज मैं जहां मिलै सभी को अन्न, छोटे बड़े सब सम बसें रैदास रहें प्रसन्न।'

स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा कर स्थल निरीक्षण किया

सागर। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर आयुक्त शिशिर गेमावत (आईएएस)ने नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री एवं मेघ तिवारी, प्रभारी संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन विभाग की उपस्थिति में नगर निगम सागर सहित जिले की नगरीय निकायों की बैठक लेकर स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता 25-26 की टूल किट के तहत कार्यों को करने के निर्देश दिए एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के एएचपी एवं बीएलसी घटक के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और स्थल निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निगमायुक्त राजकुमार खत्री के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कनेरादेव में बनाए जा रहे आवासों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने बताया कि कनेरादेव में प्रधानमंत्री आवास योजना ए एच पी घटक के अंतर्गत 1260 आवासों का निर्माण किया जा रहा है जिसमें से 576 आवासों का निर्माण किया जा चुका है शेष 684 आवासों का कार्य प्रगति पर है। पूर्ण किए गए 576 आवास हितग्राहियों को आवंटित किए जा चुके हैं, शेष आवासों का कार्य पूर्ण होने के बाद हितग्राहियों को आवंटन की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। अपर आयुक्त ने कनेरादेव में बनाए जा रहे आवासों का कार्य गुणवत्तापूर्ण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने रहवासियों से चर्चा भी की। निगमायुक्त ने बताया कि अपर आयुक्त गेमावत ने मसवासी ग्रंट स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र का निरीक्षण कर कचरा प्रसंस्करण इकाई में कचरा से खाद बनाए जाने का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त ने सीवर प्रोजेक्ट के पथरिया हाट स्थित एसटीपी प्लांट का निरीक्षण कर सीवर लाइन के गंदे पानी से पानी के शुद्धिकरण प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस अवसर पर सहायक यंत्री संजय तिवारी, उपयंत्री दिनकर शर्मा, संयम चतुर्वेदी, महादेव सोनी सहित नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

वैदिक गणित भारतीय ज्ञान परंपरा की एक अनुपम देन है : डॉ अजय कुमार तिवारी

सागर। स्वामी विवेकानंद विष्वविद्यालय सागर में गणितज्ञ श्री रामानुजन जयंती के अवसर पर गणित विभाग एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में ''वैदिक गणितः प्राचीन सूत्रों से आधुनिक गणनात्मक दक्षता की ओर'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वस्ति वाचन एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ, स्वस्ति वाचन एवं संगोष्ठी के विषय का औचित्य संस्कृत के विभागाध्यक्ष-डॉ सुकदेव वाजपेयी द्वारा दिया गया। स्वागत भाषण एवं अतिथि परिचय संस्था की कुलगुरू डॉ धुरव कुमार द्विवेदी द्वारा दिया गया। वक्तव्य की अगली श्रृंखला में अध्यक्षीय उदबोधन में कुलाधिपति डॉ अजय कुमार तिवारी ने कहा कि वैदिक गणित भारतीय ज्ञान परंपरा की एक अनुपम देन है, जिसमें गणनाओं को सरल और रोचक बनाने वाले सूत्रों का समावेश है। यह पद्धति न केवल जटिल गणितीय समस्याओं को कम समय में हल करने में सहायक है, बल्कि विद्यार्थियों में तार्किक सोच, आत्मविश्वास और सृजनात्मकता का भी विकास करती है। वैदिक गणित यह सिद्ध करता है कि गणित केवल संख्याओं का खेल नहीं, बल्कि सोचने की एक वैज्ञानिक और सशक्त प्रक्रिया है, जो प्राचीन होते हुए भी आज के आधुनिक युग में समान रूप से उपयोगी और प्रभावशाली है। वक्तव्य की अगली श्रृंखला में उपकुलाधिपति आदित्य प्रखर तिवारी ने कहा कि तर्क और आध्यात्म दो अलग नहीं बल्कि दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू है। आज की युवा पीढ़ी उसी में विश्वास करती है जो हमें दिखता है। यदि तर्क से ज्ञान प्राप्त हो सकता है तो आध्यात्म ही उसकी दिशा तय करता है। श्री रामानुजन का परिचय देते हुए कहा कि नासा में स्पेशसटल को ऊपर ले जाने में जिस थ्योरम की बात होती है वह श्री रामानुजन के द्वारा दिया गया थ्योरम ही है। यह हम भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। किसी भी समस्या का हल चिंतन और मनन के माध्यम से ही सम्भव है। वक्तव्य की अगली श्रृंखला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ हरि सिंह गौर के वैदिक अध्ययन एवं गणित विभाग के डॉ आयुष गुप्ता ने कहा कि वैदिक गणित केवल गणनाओं की विधि नहीं, बल्कि सोचने की एक सरल, तर्कसंगत और सृजनात्मक प्रणाली है, जो जटिल से जटिल गणितीय समस्याओं को भी सहज और शीघ्रता से हल करने की क्षमता प्रदान करती है। घड़ी का आविष्कार मानव इतिहास में गणित के महत्वपूर्ण योगदान का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। घड़ी केवल समय बताने का उपकरण नहीं, बल्कि यह प्रमाण है कि गणित ने मानव को समय को समझने, मापने और नियंत्रित करने की क्षमता प्रदान की है। वैदिक मंत्रों की लय, मंदिरों की ज्यामितीय संरचना और ध्यान की गणनात्मक श्वास-प्रक्रिया इस तथ्य को प्रमाणित करती है कि गणित और अध्यात्म दोनों ही सत्य की खोज के मार्ग हैं।

अद्भुत और अद्वितीय : काछी पिपरिया में मुनिसंघ की भव्य अगवानी, उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रहली

कुंडलपुर की ओर पदविहार कर रहे प्रख्यात जैन मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ससंघ ग्राम काछी पिपरिया में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनिसंघ के आगमन को लेकर पूरे ग्राम में उत्साह और भक्ति का माहौल देखा गया। ग्रामवासियों ने इसे एक ऐतिहासिक पल बताते हुए मुनिसंघ की अभूतपूर्व अगवानी की।

गाजे-बाजे के साथ हुआ आत्मीय स्वागत

मुनिसंघ का विहार शुक्रवार सुबह 7 बजे खेराना से प्रारंभ हुआ। जैसे ही मुनिसंघ पिपरिया की सीमा में प्रविष्ट हुआ, समूचा गांव 'मुनि श्री की जय' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ ग्रामीणों ने मुनि श्री के पाद प्रक्षालन किए और भव्य शोभायात्रा के साथ उन्हें मंदिर जी तक लेकर आए। ग्राम आगमन के पश्चात मुनि श्री ने स्थानीय जैन मंदिर पहुंचकर अतिशयकारी भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन व वंदना की। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए महाराज श्री ने जीवन में धर्म और संयम के महत्व पर प्रकाश डाला। उनके ओजस्वी प्रवचनों को सुनने के लिए न केवल स्थानीय बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

शंका समाधान और आहार चर्या

दोपहर में मुनिसंघ की आहार चर्या संपन्न हुई। इसके पश्चात आयोजित 'शंका समाधान' कार्यक्रम में हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं, जिनका महाराज श्री ने अपनी तार्किक और सरल शैली में समाधान किया।

पटनागंज से बलेह की ओर बढ़ा विहार

पिपरिया में धर्म की गंगा बहाने के उपरांत मुनिसंघ का विहार पटनागंज की ओर हुआ। शनिवार सुबह मुनि श्री ससंघ पटनागंज से प्रस्थान कर बलेह की ओर अग्रसर हुए। कुंडलपुर की ओर बढ़ते मुनिसंघ के दर्शन के लिए मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालु पलक पावड़े बिछाए खड़े नजर आ रहे हैं।

रहली महोत्सव : बॉलीवुड सिंगर दीया घोष की गायकी का चला जादू, झूम उठे हजारों श्रोता

रहली। नगर पालिका परिषद रहली द्वारा आयोजित 'रहली महोत्सव' के दूसरे दिन सुरों और ताल का ऐसा संगम हुआ कि कड़ाके की ठंड के बावजूद उत्साह का पारा सातवें आसमान पर रहा। अटल सेतु पर आयोजित इस कार्यक्रम में बॉलीवुड की मशहूर पार्श्व गायिका दीया घोष की प्रस्तुति आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। महोत्सव के दूसरे दिन दीया घोष को सुनने के लिए रहली और आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। आलम यह था कि कार्यक्रम स्थल से लेकर प्रसिद्ध हनुमान जी मंदिर तक पैर रखने की जगह नहीं बची थी। खचाखच भरे माहौल में श्रोताओं ने दीया घोष के गीतों पर जमकर नृत्य किया और देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लिया। मुख्य गायिका की प्रस्तुति के बीच-बीच में आर्केस्ट्रा और विभिन्न डांस कलाकारों ने अपनी शानदार कला का प्रदर्शन किया। मंच पर लाइट और साउंड के बेहतरीन समन्वय ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि अभिषेक भार्गव (दीपू भैया) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष देवराज सोनी ने की।इस अवसर पर सभी पार्षदगण, एसडीएम कुलदीप पाराशर, एसडीओ पुलिस, तहसीलदार, थानाप्रभारी, सीएमओ धनंजय गुमास्ता, इंजीनियर शिवराम साहू, भाजपा के पदाधिकारी गण,सहित सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

लगातार दूसरी बार भरी कुर्सी खाली कुर्सी का चुनाव होगा

सागर। सागर जिले की देवरी नगर पालिका में अध्यक्ष पद पर आगामी 19 जनवरी 26 को भरी कुर्सी और खाली कुर्सी का चुनाव होने जा रहा है वर्तमान में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा अलकेश जैन है अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद मध्य प्रदेश शासन ने यहां अध्यक्ष की कुर्सी को खाली मानते हुए भरी कुर्सी और खाली कुर्सी का चुनाव करने का फैसला किया है वर्ष 2007 में यहां पर तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष अनिल जैन सिनेमा के खिलाफ भी भरी कुर्सी और खाली कुर्सी का चुनाव हुआ था उस समय अनिल जैन ने 2493 वोटो से भरी कुर्सी का चुनाव जीत कर अपना कार्यकाल पूर्ण किया था हालांकि नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव निर्दलीय रूप से 690 वोटो से जीते थे। उस समय उन्होंने भाजपा और कांग्रेस की उम्मीदवारों को पराजित किया था उनके कार्यकाल को जनता ने सराहा था और उन्हें दोबारा पद पर बैठाया था। वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा अलकेश जैन का भाजपा से कुछ समय पहले निष्कासन हो गया है और अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से उन्हें हटाया गया है चुनाव में देखना है भरी कुर्सी जीतती है या खाली कुर्सी इसके कयास अभी से लगना चालू हो गए हैं। उल्लेखनीय है पिछले माह ही नगर पालिका चुनाव अधिनियम में परिवर्तन हुआ है और नगर पंचायत और नगर पालिकाओं में अध्यक्ष पद का चुनाव अब सीधे मतदान से होने वाला है देवरी नगर पालिका मध्य प्रदेश में ऐसी पहली नगर पालिका हो गई है जिसमें दो दशक में दूसरी बार भरी कुर्सी खाली कुर्सी का चुनाव हो रहा है। 19 जनवरी 2026 को ही परिणाम घोषित होने की संभावना है ।

श्री लाल शुक्ल जनशताब्दी वर्ष पर प्रलेस द्वारा गोष्ठी आयोजित हुई

सागर। प्रगतिशील लेखक संघ सागर के द्वारा उपन्यासकार श्री लाल शुक्ल के जन्म शताब्दी वर्ष पर गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में डॉक्टर नम्रता फुसकेले ने राग दरबारी पर अपना आलेख वाचन करते हुए कहा की राग दरबारी में खास बात यह है कि इसमें कथा कम और माहौल ज्यादा महसूस होता है । इस उपन्यास के दो महत्वपूर्ण पात्र वैद्य और रघुनाथ है। दोनों पात्र अलग-अलग विचारधारा के टकराव को दर्शाते है। चर्चा में पी आर मलैया, टी आर त्रिपाठी, कैलाश तिवारी विकल, पेट्रिस फुसकेले ने भाग लिया। गोष्ठी के द्वितीय चरण में रचना पाठ हुआ । कवि के एल कवॅल, एम शरीफ ,ममता भूरिया, परमानंद आनंद, पेट्रिस फुसकेले,डॉक्टर अनिल जैन, हरगोविंद विश्व ,अमित आठिया, वीरेंद्र प्रधान, सुमन झुड़ेले, डॉक्टर नलिन निर्मल, मुकेश तिवारी, कैलाश तिवारी विकल, पूरन सिंह राजपूत, डॉक्टर गजाधर सागर, वी पी उपाध्याय, टी आर त्रिपाठी, आदर्श दुबे, पी आर मलैया, हिमांशु साहू, देवेन्द्र सिघई ने रचनापाठ किया। रचनाकारों ने कहानी, लघु कथा, कविताएं, दोहा, गजल इत्यादि रचनाएं पढ़ी। गोष्ठी में प्रलेस के महासचिव पेट्रिस फुसकेले द्वारा आगामी कार्यक्रम एवं स्मारिका के संबंध में जानकारी दी गई। गोष्ठी का संचालन सुश्री सुमन झुडेले के द्वारा किया गया। गोष्ठी में साहित्यकार विनोद शुक्ल, मेडम सिरोठिया को श्रद्धांजलि दी गई।

डॉ. गौर और मालवीय जी दोनों का शिक्षा के क्षेत्र में महनीय योगदान : प्रो. वायएस ठाकुर

डॉ. गौर और मालवीय दोनों राष्ट्र की विभूतिः रघु ठाकुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के रंगनाथन सभागार में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के यशस्वी संस्थापक भारत रत्न महामना पंडित मदनमोहन मालवीय जी की जयन्ती और प्रख्यात शिक्षाविद्, विधिवेत्ता, कवि, मनीषी, प्रखर वक्ता, सागर के अमर सपूत, सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरि सिंह की पुण्य तिथि को विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद् एवं मालवीय मंच सागर के संयुक्त तत्त्वावधान में गौर-मालवीय : पुण्य-उदय कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

देश के प्रख्यात गांधीवादी चिन्तक रघु ठाकुर ने गौर-मालवीय : व्यक्ति, सृष्टि और दृष्टि विषय पर विशिष्ट व्याख्यान देते हुए कहा कि सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ हरीसिंह गौर और काशी विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पंडित मदनमोहन मालवीय दोनों ही भारत वर्ष की राष्ट्र विभूति हैं । यह गर्व

की बात है कि गौर साहब और मालवीय जी दोनों का सीधा संबंध मध्य प्रदेश से है । डॉ. गौर सागर के सपूत हैं तो मदनमोहन मालवीय जी के पूर्वज भी मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र से चलकर काशी तक पहुंचे थे । उन्होंने कहा कि दोनों ही राष्ट्र विभूतियों ने शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र के उन्नयन का मार्ग चुना था। इसके लिए मालवीय जी ने जन सहयोग से वाराणसी में काशी हिन्दू विश्व विद्यालय की स्थापना की थी जो सर्व विद्या की राजधानी के रूप में प्रसिद्ध हुई, वहीं डॉ. गौर मध्यप्रदेश के सागर जैसे पिछड़े हुए क्षेत्र में स्वयं द्वारा अर्जित धन राशि से सागर विश्व विद्यालय की स्थापना कर बुंदेलखंड में शिक्षा की अलख जगाई थी । उन्होंने कहा कि धन का संग्रह,धनका उपयोग और धन का मितव्ययिता से खर्च करना मालवीय जी के व्यक्तित्व कि विशेषता रही है । डॉ. गौर के व्यक्तित्व में भी मालवीय जी इस गुण धर्म की समानता परिलक्षित होती है।

उनकी मितव्ययिता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहलू रहा है। दोनों ही महापुरुष विधि के क्षेत्र के महारथी थे। गौर साहब ने संविधान सभा के सदस्य के रूप में संविधान निर्माण में योगदान देते हुए नागरिकों के अधिकारों के सजगता पर जोर दिया तो महामना मालवीय जी ने स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न कानूनी लडाइयों को अदालत में मजबूती से अपना पक्ष रखते हुए सफलता दिलाई । रघु ठाकुर ने गौर-मालवीयः व्यक्ति, श्रृष्टि एवं दृष्टि विषय पर प्रकाश डालते हुए डॉ. हरीसिंह गौर एवं मदनमोहन मालवीय जी के व्यक्तित्व कृतित्व को विस्तार से व्याख्यायित किया ।

ऐजेन्सी देना है। हरिभूमि
सागर जिले में एजेन्सी देना है।
बंड़ा, गढाकोटा, गौरझमर, ढाना, केसली, देवरी, शाहगढ़, खुरई, हीरापुर, जैसीनगर, मालथौन, राहतगढ़, बांदरी, नरयावली, रेहली, जरूआखेड़ा
पता :- हरिभूमि कार्यालय 4 फ्लोर, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल
मो.: 8770833858, 9827743042

खबर संक्षेप

कॉलेज में परीक्षा देने गई छात्रा लापता

ललितपुर। महरौनी कोतवाली अंतर्गत एक गांव में रहने वाले व्यक्ति ने कोतवाली ललितपुर पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी 22 दिसम्बर को मुख्यालय स्थित दीपचन्द्र चौधरी महाविद्यालय में परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी, लेकिन उस दिन परीक्षा रद्द होने के चलते उसकी पुत्री उसके दोस्त जो ललितपुर शहर के एक मोहल्ले में रहता है के यहां रात में रुक गई। आरोप है कि अगले दिन 23 दिसम्बर को सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे उसकी पुत्री को उसके दोस्त की पत्नी कॉलेज के पास छोड़ गई, उसके बाद से उसकी पुत्री का कोई पता नहीं चला। अपराह्न 2 बजे उसकी पुत्री ने फोन पर घर आने की बात कही थी, लेकिन जब उसकी पुत्री घर नहीं पहुंची तो उन्होंने काफी खोजबीन की, लेकिन वह नहीं मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

ललितपुर। सड़क हादसे में 45 वर्षीय किसान की मौत हो गई। वह अपने बड़े भाई को देखने मेडिकल कॉलेज जा रहा था, तभी महरौनी मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार ने की आशंका परिजनों ने जताई है। चिकित्सकों ने उसे परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। यह घटना शुक्रवार सुबह की है। महरौनी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिलावन निवासी कैलाश अहिरवार (45) पुत्र रघुवर सुबह करीब 6 बजे ललितपुर के लिए घर से बाइक से निकले थे। ग्राम खितवांस के पास वह सड़क पर घायल अवस्था में मिले, उनकी बाइक भी पास ही पड़ी थी। ग्रामीणों ने उन्हें घायल देखकर 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस से कैलाश को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बड़े भाई श्रीराम ने बताया कि कैलाश कि ललितपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती उन्हें देखने के लिए जा रहा था। आशंका जताई है कि रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। श्रीराम ने यह भी बताया कि कैलाश खेती-किसानी करते थे और तीन भाई-एक बहन में सबसे छोटे थे। उनके तीन पुत्र हैं। महरौनी कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

अस्पताल से पिता को लेकर लौट रहे युवक पर हमला

ललितपुर। नगर के मोहल्ला रैदासपुरा निवासी अनुराग पुत्र डालचंद्र ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। अवगत कराया कि बीती 24 दिसम्बर की रात करीब 8.30 बजे वह अपने पिता के साथ मामा अभिषेक को सरकारी अस्पताल से दिखाकर वापस अपने घर जा रहा था। तभी रास्ते में आशु रजक पुत्र स्व.राजेश ने उसका रास्ता रोक लिया और द्वार से निकलने की जगह मांगने पर आशु ने उसे गालियां देना शुरू कर दिया। उसके पिता ने गालियां देने से मना किया तो उक्त लोगों ने झगड़ा करना शुरू कर दिया और मारपीट पर आमादा हो गये। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उक्त आशु ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

ललितपुर। मां ललितेश्वरी मंदिर नदीपार रावतयाना में रहने वाली शमीम बेगम पत्नी शकील अहमद ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की न्यायालय में वाद दायर किया है। बताया कि वह मोहल्ला चौकाबाग स्थित केबी विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल में प्रधानाचार्य हैं। उनके विद्यालय में दरयाब सिंह पुत्र पहलवान सिंह व उसकी पत्नी शशि के पुत्र आदर्श कुमार कक्षा 5 व कपिल कक्षा 2 में अध्ययनरत हैं। जब उसने दरयाब सिंह से बच्चों की बकाया फीस 1900 रुपये को जमा करने की बात कही तो शराब के नशे में धुत्त दरयाब सिंह प्रतिदिन विद्यालय आकर शिक्षण कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करने लगा। इसके अलावा प्रबंधक व महिला शिक्षिकाओं को सड़क पर अभद्रता की जाने लगी। आरोप है कि 3 अक्टूबर की सुबह 11.10 बजे दरयाब सिंह शराब पीकर विद्यालय आया और शिक्षिकाओं व पीड़िता से अभद्रता करने लगा।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में साहिबजादों का शहीदी दिवस मनाया गया

प्रभात फेरी में महिलाएं, बच्चे, पुरुष, गुरबाणी कीर्तन करते चल रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ललितपुर

श्रीगुरु सिंह सभा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में गुरुद्वारा साहिब में चल रहे 5 दिवसीय कार्यक्रम में नगर में गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादे के शहीदी दिवस (वीर बाल दिवस) पर प्रभात फेरी का आयोजन गुरुद्वारा साहिब लक्ष्मीपुरा से किया गया, जो कि नगर भ्रमण करती हुई वापस गुरुद्वारा साहिब लक्ष्मीपुरा पहुंची, जहां पर लंगर व दूध की सेवा संगत के लिए की गई। प्रभात फेरी में महिलाएं, बच्चे, पुरुष, गुरबाणी कीर्तन करते हुए ढोल, मजीरे, छेने, बजाते हुए चल रहे थे और गुरबाणी का रस गायन कर रहे थे। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष ओंकार सिंह सलूजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह सलूजा, महामंत्री सुरजीत सिंह सलूजा, मंत्री मनजीत सिंह पत्रकार, कोषाध्यक्ष परमजीत सिंह छतवाल, जगजीत सिंह बॉबी, सतनाम सिंह भाटिया, आनंद सिंह, राजू सिंधी, अवतार सिंह, बिंदु कालरा, डा हरजीत कौर, चांदनी अरोड़ा, नीतू कौर, मनविंदर कौर, रानी जहां, विवेक चोपड़ा, बब्बू राजा, प्रदीप चौबे, हरिराम निरंजन, जगदीश सिंह लोधी, विवेक, डा दीपक चौबे, ध्रुव राजा, दीपक पाराशर, सचिन साहू, मनोज खटीक, पार्वती खटीक, रमेश खटीक, तेजस्व श्रीवास्तव, भगत सिंह राठौर, अरविंद सिंघई, प्रमोद साहू, शुभम कौशिक, मनजीत सिंह, मनमीत सिंह, दलजीत सिंह, अंशु सिंह, गुणवीर सिंह, हरजीत सिंह शामिल हुए।

पीड़ित ने लगाया था आत्महत्या की धमकी देकर ब्लैकमेल व वसूली करने का आरोप

नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले ठग को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ललितपुर

मेडीकल कॉलेज में नौकरी लगवाने के नाम पर साढ़े सात लाख रुपये लेकर तीन लाख रुपये और वसूलने के लिए कनपटी पर तमंचा सटाने और आत्महत्या करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करते हुये अवैध वसूली करने का आरोप लगाया गया था। प्रकरण में कोतवाली पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। एफआईआर दर्ज होने के महज चौबीस घण्टे के अंदर ही कोतवाली पुलिस ने शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है।

एडीजी कानपुर जोन, डीआईजी झांसी व एसपी ललितपुर मो.मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह, सीओ सिटी अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस ने थाने में दर्ज एफआईआर सं. 1478/2025 की धारा 316(2), 352, 351(3), 126(2), 308(5), 226 बीएनएस में नामजद थाना जखौरा के ग्राम करमुहारा व हाल मोहल्ला पिसनारी निवासी सत्यभान उर्फ गोलू यादव पुत्र रणवीर सिंह यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गये गोलू यादव उर्फ सत्यभान ने पूछने पर बताया कि उसकी जान पहचान कई विभागों के अधिकारियों के साथ थी, जिसका मैं अन्य लोगों में अपनी जान पहचान का प्रचार-प्रसार करके अवैध रुप से फायदा उठाता था।

नौकरी लगवाने के नाम पर 10 लाख रुपए की मांग की गई थी

किसी विभाग में नौकरी लगवाने या किसी प्रकरण के अभियुक्त को गैरकानूनी तरीके से मदद कराने के लिए उनसे सम्बंधित डेटा को विभिन्न माध्यमों जैसे पंचायत एप, यू.पी. कॉप ऐप आदि से प्राप्त कर, सम्बंधित व्यक्तियों से सम्पर्क कर उनका काम कराने के नाम पर उन लोगों से पैसे की वसूली करता था। उसके द्वारा स्वास्थ्य विभाग में भूपेन्द्र तिवारी की नौकरी लगवाने के नाम पर अपने साथियों के साथ मिलकर 10 लाख रुपये की मांग की गई थी। भूपेन्द्र तिवारी से उसने कुल 7.5 लाख रूपये नौकरी लगवाने के नाम पर लिए थे। इसी प्रकार उसने अन्य कई लोगों से नौकरी लगवाने, साइबर से सम्बंधित या अन्य किसी मुकदमें में बचाने व अन्य कोई अवैधानिक काम कराने के नाम पर रुपये की वसूली की है। साहब जब कोई व्यक्ति बार-बार अपने पैसे की मांग करता था तो मैं उसको वाट्सऐप पर मैसेज भेजता था कि वह तुम्हारा नाम लिखकर आत्महत्या कर लूंगा, ताकि लोग डर जाएं और पैसा न मांगे। किसी व्यक्ति के पैसे वापस न करने, गैर कानूनी कार्य करने के कारण किसी पुलिस कार्यवाही से बचने के लिए आत्महत्या करने की धमकी कई अन्य लोगों को देता रहता हूं ताकि मेरे खिलाफ कोई भी कार्यवाही न कर सके और इस तरह से मैं लोगों को ब्लैक मेल करता हूं। इस तरीके से मैने कई लोगों के साथ धोखाधड़ी करते हुए लाखों रूपये कमाये हैं, अवैध रुप से कमाए ऐशो-आराम पर खर्च किया है।

यह था पूरा घटनाक्रम

पुलिस को तहरीर देकर मोहल्ला आजादपुरा निवासी भूपेन्द्र तिवारी पुत्र स्व.कैलाशनाथ तिवारी ने बताया कि सत्यभान उर्फ गोलू द्वारा वादी से नौकरी लगवाने के नाम पर 07 लाख 50 हजार रूपये ले लेना व शेष रूपयों की मांग करने को लेकर गाली गलौज कर झूठें मुकदमें में फंसाने की धमकी देना व रास्ते में रोककर 03 लाख रूपये की मांग करते हुये जान से मारने की धमकी देना व डरा धमकाकर 20 हजार रूपये ले लेने तथा वापस पैसा मांगने पर सुसाइड करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी, निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, उनि अरुण कुमार सिंह शामिल रहे।

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

पंचायत सहायकों की सेवा नियमावली निर्माण करने की मांग उठाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ललितपुर

पंचायत सहायकों के मानदेय बृद्धि एवं सेवा नियमावली निर्माण के लिए शुक्रवार को पंचायत सहायकों ने लामबंद होकर कलेक्ट्रेट पहुंच कर डीएम के नाम एक ज्ञापन एसडीएम सदर मनीष विश्वकर्मा को सौंपा। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर 1 दिसंबर 2021 से कार्यरत पंचायत सहायक, अकाउंटेंट कम डाटा एंट्री ऑपरेटर, उप्र की ग्रामीण जनता को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने, पंचायत अवन संचालन एवं ग्राम विकास के महत्वपूर्ण कार्यों में निरंतर योगदान दे रहे हैं पंचायत सहायक की भूमिका केवल डेटा एंट्री ऑपरेटर तक सीमित न रहकर डिजिटल पंचायत की अवधारणा साकार करने की एक मजबूत कड़ी बन चुकी है। बावजूद इसके छह हजार रुपए प्रतिमाह (200 प्रतिदिन) का मानद हमारे कार्यभार दायित्वों और तकनीकी दक्षता की बिल्कुल अनुपातहीन है। विशेष तथ्य है कि 2021 में हमारी भन हाई स्कूल व इंटर की मेरिट के आधार पर की गई थी। जिसमे ग्राम पंचायत के सबसे मेधावी और उच्च अंक प्राप्त युवा-युवतियों को चयनित किया गया था। मांगों को रखते हुये पंचायत सहायकों ने कहा कि पंचायत सहायकों को केंद्र सरकार की अब आतिकुशल श्रेणी में सम्मिलित करते हुए प्रतिमाह 26910 रुपए, मानदेय प्रदान किया जाए एवं यह राज्यांश पोषित हो और ग्राम निधि पर आधारित व्यवस्था समाप्त की जाए। कार्य की निरंतरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। 2. पंचायत सहायकों के लिए स्थाई सेवा नियमावली बनाई जाए तथा अनुबंध प्रणाली समाप्त की जाए, पंचायत सहायकों को ग्राम पंचायत अधिकारी याम/ विकास अधिकारी के रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया में 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाए जिससे उन्हें कार्य के अनुरुप पदोन्नति और स्थायित्व मिल सके। ग्राम पंचायत सहायकों के पूरे परिवार को अति शीघ्र आयुष्मान योजना का लाभ दिलाया जाए। पंचायत सहायक प्रदेश के सुदूर ग्रामीण अंचलों में शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। अपील की है कि मांगों पर विचार कर पंचायत सहायकों के अधिकारों की रक्षा करें और उन्हें न्याय सगत मान-सम्मान प्रदान करें। आपकी सकारात्मक पहल प्रदेश के 57000 से ज्यादा पंचायत सहायकों को संबल और प्रेरणा प्रदान करेगी।

व्यापारियों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

छोटे हल्के लोडिंग वाहनों पर भारी चालानों से मुक्ति दिलाने की मांग

ललितपुर। उप्र उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश आह्वान पर एडीएम अंकुर श्रीवास्तव, एसडीएम सदर मनीष विश्वकर्मा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। ज्ञापन में परिवहन विभाग की प्रमुख समस्या को रखते हुए कहा कि निजी फिटनेस सेन्टरों पर काफी धांधलियां हो रही हैं, जिनका समाधान किया कराया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में कहा कि हाल ही में मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट एण्ड हाईवे द्वारा यह निर्देश जारी किए गए हैं कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में तीन-तीन फिटनेस सेंटर खोले जाएं यह स्वागत योग कदम है जिससे पारदर्शिता प्रतिस्पर्धा और सेवा में सुधार आने की संभावना है।

वर्तमान में अधिकांश जिलों में केवल एक ही फिटनेस सेंटर संचालित हो पा रहे हैं और वहां वाहन स्वामियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि एकमात्र केंद्र होने से वाहन स्वामियों को अनावश्यक शुल्क की मांग की जा रही है जो कि भ्रष्टाचार को कहीं ना कहीं बढ़ावा देता है। मुख्यमंत्री से अपील कि प्राइवेट फिटनेस सेंटर के क्रियाशील होने के साथ-साथ सरकारी फिटनेस सेंटरों को यथावत रखते हुए बंद न किया जाए। सभी सेंटरों की नियमित निगरानी की जाए व एक हेल्पलाइन नंबर या पोर्टल प्रारंभ किया जाए यहां वाहन स्वामी अपनी शिकायत दर्ज कर सके। प्रत्येक जिले में एक स्थाई निरीक्षण समिति गठित की जावे जिसमें जिला प्रशासन, परिवहन विभाग, तथा ट्रांसपोर्ट से संबंधित दो व्यक्तियों को शामिल किया जाए। हमें आशा ही नहीं विश्वास है कि आप ज्ञापन की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। ज्ञापन देते समय प्रदेश चेयरमैन महेंद्र जैन मयूर, जिलाध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी, महेश जैन, अनिल जैन, लखन अग्रवाल, संजीव कप्तान, मुकेश परिवार, अभय जैन एड., नवीन सिंघई, उदयभान सिंह यादव, रिक्की, विनोद जैन, पंकज बिरधा, राजवीर सिंह, महेश सतभैया, पार्षद आलोक मयूर, राजीव सुडेले, राजीव जैन, बासु जैन, नीतीश जैन, पदमचंद जैन, आकाश जैन, अजय जैन, संजीव जैन, वीरेंद्र जैन, सुनील, दीपक सिंघई एड., सुनील कुमार, जितेंद्र राठौर, मु.वसीम, राजीव जैन, अनूप जैन आदि उपस्थित थे।

अतिक्रमण अभियान के खिलाफ व्यापारी हुये लामबंद- स्थानीय मुद्दों में जिला प्रशासन के निर्देश पर नगर पालिका द्वारा हटाये जा रहे अभियान में दुकानों के ऊपर धूप एवं पानी से बचाव के लिए बिल्डिंग के सपोर्ट पर लगे हुए चद्दरों को न हटाये जाने का अनुरोध किया। लगभग 1 वर्ष पूर्व तत्कालीन जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर ईओ एवं व्यापार मंडलों के साथ संपन्न हुई बैठक में यह लिखित रूप में निर्णय लिया गया था कि दुकान के ऊपर 4 फीट की चद्दर लगाई जाएगी और उन्हें अतिक्रमण अभियान में डिस्टर्ब नहीं किया जाएगा और दुकानों के सामने वाली नाली को लोहे की फोल्डिंग चद्दर अथवा पत्थरों से ढककर रखा जाएगा और कोई पक्का निर्माण नहीं किया जाएगा और ना ही उस पर पर कोई सामान रखा जाएगा।

जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर जानलेवा हमला किया

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम दैलवारा के नगरया मोहल्ला में रहने वाले मूलचंद्र पुत्र सुन्दरलाल ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि वह आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में मजदूरी करता है। आगे बताया कि 16 नवम्बर 2025 को वह अपने पड़ौसी कमल कुशवाहा पुत्र रामरतन के बैंक खाते में 21 हजार रुपये डाले थे, जब उसका पुत्र राघवेन्द्र व पत्नी हल्की बहू कमल कुशवाहा से रुपये लेने के लिए गये तो कमल ने पूरे रुपये उसकी पत्नी को दे दिये। तभी कमल कुशवाहा के चाचा रामभरत पुत्र रईसे ने आकर उसकी पत्नी को कहा कि तुम यहां क्यों आती हो और उसकी पत्नी व पुत्र के साथ अभद्रता की, जिसे मोहल्लेवासियों ने आकर शान्त करा दिया। इसके बाद 22 दिसम्बर 2025 को वह अपने खेत में खाद डालकर वापस घर जा रहा था कि तभी रास्ते में पुरानी बात को रंजिश मानते हुये रामरतन कुशवाहा के पुत्र बृजेश ने उसे जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया। विरोध करने पर गालियां देते मारपीट कर दी।

मंडलायुक्त ने डीएम के साथ बम्हौरीसर में जनचौपाल लगाई

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में नवीन स्वीकृत आवासों का किया शिलान्यास, स्वीकृति पत्र दिए गए

ललितपुर। मंडलायुक्त झांसी मंडल/नोडल अधिकारी विमल कुमार दुबे ने जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के साथ अपने निर्धारित कार्यक्रमानुसार तालबेहट के ग्राम बम्हौरीसर पहुंचकर मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण 2025-26 के अंतर्गत नवीन स्वीकृत आवासों का मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन कर शिलान्यास किया एवं पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र व सहजन के पौधे वितरित किये, जिससे लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी के भाव देखे गए।

इसके उपरान्त उन्होंने गांव में ही बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों के बीच जन चौपाल लगाकर सरकार द्वारा संचालित लाभार्थी व विकास परक जनकल्याणकारी योजनाओं की एक-एक कर समीक्षा करते हुए मौके पर ही उपस्थित ग्रामीणों से हाथ उठवाकर कार्यों का सत्यापन भी कराया, जिसमें ग्रामीणों ने हाथ उठाकर योजनाओं की पुष्टि की। इस दौरान उन्होंने जनता की समस्याओं को भी जाना, जिसमें कुछ समस्याएं अतिक्रमण व जमीन से जुड़ी पायी गईं, जिस पर उन्होंने उप जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि वह मौके पर पहुंचकर जांच कर गुणवत्ता के साथ निस्तारण करायें। इसी प्रकार से आयुष्मान भारत योजना व फार्मर रजिस्ट्री में आ रही समस्याओं के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी व उप निदेशक कृषि को निर्देश दिये कि वह गांव में कैम्प लगाकर समस्याओं का निस्तारण करायें। इस दौरान स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनायी जा रही जैविक खाद को दिखाया गया, जिस पर उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिये कि वह इस जैविक खाद को विभिन्न संस्थानों व उर्वरक विक्रेताओं के माध्यम से विक्री कराकर समूह को प्रोत्साहित करें। उन्होंने नवीनतम जीरामजी योजना की विशेषताओं को सकारात्मकता के साथ विस्तार से बताते हुए कहा कि अब ग्रामीणों को स्थानीय स्तर 100 दिवस के स्थान पर 125 दिवसों का कार्य आसानी से उपलब्ध होगा। इसी प्रकार से उन्होंने सरकार द्वारा संचालित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से बताया। जनचौपाल के उपरान्त मण्डलायुक्त ने प्राथमिक पीएम श्री विद्यालय एवं आश्रम पद्धति विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था व साफ-सफाई का जायजा लिया।

उन्होंने विद्यालय की कक्षाओं में पढ़ रहे बच्चों से शिक्षक बनकर प्रश्न पूछे, जिस पर बच्चों ने प्रश्नों के उत्तर भी दिये। मण्डलायुक्त ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर नियमित सफाई के निर्देश दिये और आश्रम पद्धति विद्यालय में बनाये गए ट्रांजिट हॉस्टल का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर ज्वांइट कमिश्नर, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप जिलाधिकारी, डीसी स्वतः रोजगार, डीडीओ, एसडीएम, बीडीओ सहित अन्य क्षेत्रीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस प्रोग्राम संपन्न

इतना खुश रहो कि दुनिया सोचे किस बात की खुशी है: शर्मा

ललितपुर। विश्व का सबसे बड़ा संगठन और विश्व के 185 से ज्यादा देशों में कार्यरत आर्ट ऑफ लिविंग का ललितपुर में 6 दिवसीय आनंद अनुभूति शिविर (हैप्पीनेस प्रोग्राम) पूरे उत्साह और उल्लासपूर्ण सम्पन्न हुआ। बताते चलें कि आर्ट ऑफ लिविंग ने पिछले दो वर्षों में यह नौवां कार्यक्रम आयोजित किया है। आयोजन का उद्देश्य सिर्फ लोगों की सेवा है। सेवा से तात्पर्य है लोग स्वस्थ रहें, खुश रहें। आर्ट ऑफ लिविंग ललितपुर के योग शिक्षक सुबोध शर्मा विश्वास ने स्पष्ट करते हुए कहा कि जब आप स्वस्थ होंगे तभी खुश होंगे। और स्वस्थ रहने के

लिए आपको प्रतिदिन योग-प्राणायाम- पदमसाधना करना चाहिए। हैप्पीनेस प्रोग्राम में इस सबसे आगे सुदर्शन क्रिया और ध्यान कराया जाता है। सुबोध शर्मा विश्वास ने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता व आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर ने लयबद्ध सांसों की क्रिया की खोज की है जिसे सुदर्शन क्रिया कहा जाता है। संसार के अनेक देशों में सुदर्शन क्रिया को यूनिवर्सिटी के सिलेबस में शामिल किया गया है। सुदर्शन क्रिया करने से कई बीमारियों से निजात मिलती है और व्यक्ति चिंता, तनाव, अनिद्रा जैसे तमाम व्याधियों से मुक्ति पता है। और बेफिक्र होकर और प्रसन्नता पूर्वक जीवन यापन करता है। उल्लेखनीय है कि आर्ट ऑफ लिविंग ललितपुर चैप्टर हर दो महीने में हैप्पीनेस प्रोग्राम आयोजित करता है। अभी हाल ही मां गोमती फिजियोथैरेपी सेंटर में सम्पन्न हुए आयोजन विभिन्न परिवारों ने सम्मिलित हो कर अपने जीवन को और भी ज्यादा खुशहाल बनाने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम में डा.सौरभ देवलिया, जगजीत सिंह, राकेश देवी जाखड़, दानवीर सिंह- इंदु सिंह, इंजी. बालमुकुंद, सरोज सोनी, शिवशंकर, वंदना भारती, सुनीता शर्मा, नीलम, राजकुमारी बुंदेला, वाई.सी. उपाध्याय, प्रकाश नारायण चतुर्वेदी, आर.डी. गोस्वामी, एड. देवेंद्र, रंजना खरे, विजय गोपाल हुण्डैत, इंजी.संदीप तिवारी, राजेन्द्र गुप्ता, प्रेम नारायण कुशवाहा, अनिल श्रीवास्तव, शुभम देवलिया, केशव चौरसिया, आकाश सिंह जाखड़, अर्पित बासु शर्मा, आदि साधकगण मौजूद रहे।

शुक्रवार की रात को घर से सेसईपुरा जाने की बात कहकर निकला था शिक्षक

घाटी में मिला शिक्षका का शव, हत्या की आशंका, परिजनों ने लगाया जाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

कराहल थाना क्षेत्र में श्योपुर शिवपुरी हाईवे स्थित नौनपुरा घाटी पर शनिवार की सुबह एक शिक्षक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। शिक्षक शुक्रवार की रात को अपने घर से सेसईपुरा जाने की बात कहकर बाइक सवार होकर निकला था। इसके बाद शनिवार को उसका शव नौनपुरा घाटी में मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए नौनपुरा घाटी में हाईवे पर बैठकर जाम लगा दिया।

जिसकारण यहां हाइवे पर घाटी के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। एसडीओपी प्रवीण अष्ठाना और कराहल टीआई यासमीन खान ने मौके पर पहुंचकर जाम लगाकर बैइे लोगो से चर्चा करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्षता से जांच की जाएगी और जांच के दौरान जो भी स्थिति सामने आएगी,उसके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद जाम लगाकर बैठे परिजनों ने जाम खोल दिया,लेकिन घटना स्थल से शव को तब उठाने दिया,जब एफएसएल टीम मुरैना से चलकर घटना स्थल पर पहुंची। फिलहाल कराहल थाना पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस बता रही एक्सीडेंट,परिजनों का आरोप हत्या कर फेंकी लाश

नौनपुरी घाटी पर शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची कराहल थाना पुलिस ने प्रारंभिक जांच के दौरान शव का मौका मुआयना करते हुए शिक्षक रमाकांत की मौत को एक्सीडेंट करार दिया है। लेकिन मौके पर पहुंचे मृतक शिक्षक के परिजनों सहित कराहल के लोगों ने एक्सीडेंट की बात को सिरे से नकारते हुए आरोप लगाया कि यह एक्सीडेंट नहीं हत्या है। किसी ने शिक्षक की हत्या कर उसकी लाश को इस तरह फेंका गया कि वह दिखने में एक्सीडेंट लग सके। इसलिए परिजनों ने शव को घटनास्थल से उठाने से पहले कराहल थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। लेकिन पुलिस ने एक्सीडेंट की आशंका जताई तो परिजन और मौके पर जमे लोग भडक गए और उन्होंने नौनपुरा घाटी पर ही जाम लगा दिया और यह मांग करने लगे कि हत्या का मामला दर्ज किया जाए,इसके बाद ही शव को घटना स्थल से उठाया जाए।

कराहल कस्बे में पेट्रोलपंप के पीछे रहने वाले रमाकांत पाठक 51 वर्ष पुत्र राधेश्याम पाठक शासकीय शिक्षक है। जिनकी पदस्थी चक कराहल में संचालित शासकीय स्कूल में है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात 9 बजे के आसपास शिक्षक रमाकांत अपने घर पर बच्चों से यह कहकर बाइक से निकले थे कि मै सेसईपुरा जा रहा हूं। इसके बाद शिक्षक शनिवार को सुबह 11 बजे घर नहीं लौटे और परिजनों के पास यह खबर पहुंची कि नौनपुरी घाटी पर शिक्षक की लाश और उनकी बाइक पडी हुई है। इस सूचना पर परिवार के लोगो के साथ कराहल के लोग भी तत्काल मौके पर पहुंच गए। उन्हें नौनपुरा घाटी पर ठाकुर बाबा के स्थान से कुछ दूर शिक्षक की लाश पडी मिली तथा शव के पास ही उनकी बाइक भी पडी थी।

एफएसएल टीम के आने के बाद घटनास्थल से उठाया शव

जाम लगा रहे परिजनों को मौके पर पहुंचे एसडीओपी प्रवीण अष्ठाना और कराहल टीआई यासमीन खान ने चर्चा करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि मामले की जांच के बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके लिए एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर यही से मामले की जांच शुरू कर दी जाएगी और फिर जांच में जो भी स्थिति सामने आएगी,वैसी कार्रवाई पुलिस के द्वारा की जाएगी। इस पर परिजन राजी हो गए और उन्होने जाम खोल दिया। लेकिन मुरैना से आने वाली एफएसएल टीम काफी देरी से मौके पर पहुंची,इसके बाद ही शव घटनास्थल से उठकर पीएम के लिए अस्पताल लाया जा सका।

परिजनों ने यह तर्क देकर लगाया हत्या का आरोप

घटना स्थल पर मौजूद परिजनों ने शिक्षक रमाकांत पाठक की हत्या किए जाने के बाद उनके शव को फेंकने का आरोप लगाया है। परिजनों ने तर्क दिया है कि यदि एक्सीडेंट होता तो फिर बाइक और शव हाइवे के बाए तरफ पडे होते। लेकिन वे हाइवे के दाएं तरफ पडे हुए थे। इसके बाद उनके चोट सिर्फ सिर में दिखाई दे रही है,एक्सीडेंट होता तो चोट सिर के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में भी आती। उनका एक जूता भी खुलकर दूर पडा होना भी उनकी हत्या कर शव को फेंकने की आशंका को जन्म दे रहा है।

इनका कहना है...

जिस स्थिति में शव मिला है,उसे देखकर तो मामला एक्सीडेंट का ही लग रहा है। लेकिन परिजन हत्या की आशंका जता रहे है। मगर घटना की सच्चाई मामले की जांच के दौरान सामने आ जाएगी, इसलिए हमने मौके पर ही एफएसएल टीम को बुलवाकर जांच की कार्रवाई को शुरू कर दिया है। अब जांच में जो स्थिति सामने आएगी,वैसे ही कार्रवाई मामले में की जाएगी।

यासमीन खान
टीआई थाना कराहल

पुलिस बल के साथ एसडीओपी और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे,शुरू की आरोपी की तलाश

सोंईकलां के गांधीपार्क में लगी बापू की प्रतिमा तोड़ी, नागरिकों में रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

देहात थाना क्षेत्र के सोंईकलां कस्बे के बस स्टैंड पर स्थित गांधी पार्क में लगी राष्ट्रपति महात्मा गांधी की प्रतिमा को रात्रि के दौरान तोड दिया गया है। प्रतिमा तोडने वाले लोगों का फिलहाल कोई अता पता नहीं है,लेकिन इस घटना से स्थानीय नागरिकों में खासा रोष व्याप्त हो गया है। शनिवार की सुबह इस घटना की जैसे ही जानकारी मिली,वैसे ही यहां नागरिकों की भीड लग गई।

श्योपुर एसडीओपी राजीव कुमार गुप्ता और देहात थाना प्रभारी शशि तोमर भी सूचना मिलने के बाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और बस स्टैंड पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों का सुराग लगाने का प्रयास शुरू कर दिया है। दरअसल सोंईकलां कस्बे के बस स्टैंड पर स्थित गांधी पार्क में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा को रात्रि के दौरान अज्ञात लोगों के द्वारा तोड दिया गया,जिसका पता सुबह होने पर चला। यहां ग्राम पंचायत सोंईकलां के सरपंच हरीसिंह रावत समेत बडी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। जिन्होंने इस घटना पर खासा रोष व्यक्त किया और अंदेशा भी जाहिर किया कि बस स्टैंड पर ही शराब ठेका मौजूद है। लिहाजा शराब ठेके से शराब लेने वाले लोग दिन ढलते ही गांधी पार्क में पहुंचकर शराब पीते है। हो सकता है कि किसी शराबी ने नशे में धुत होकर इस घटना को अंजाम दे दिया हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना मन को काफी ठेस पहुंचाने वाली है। जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है,उसका पता जल्द लगाया जाना चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सरपंच ने की चार फीट ऊंची नई प्रतिमा लगाने की घोषणा

ग्राम पंचायत सोंईकलां के सरपंच हरिसिंह रावत ने इस घटना को जनभावनाओं के साथ खिलवाड़ बताते हुए इस घटना को अंजाम देने वाले लोगों का पता लगाकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग पुलिस प्रशासन से की है। साथही तोडी गई महात्मा गांधी की प्रतिमा के स्थान पर चार फीट ऊंची नई प्रतिमा स्थापित करवाए जाने की घोषणा भी कर दी।

इनका कहना है...

इस मामले में एफआईआर दर्ज करते हुए प्रतिमा तोडने वाले सिरफिरे की तलाश शुरू कर दी है। गांधी पार्क के आसपास लगे कैमरों की मदद से उसका पता लगाया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही आरोपी का पता लगा लिया जाएगा।

राजीव गुप्ता
एसडीओपी,श्योपुर

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने पुण्यतिथि पर हशमत वारसी को याद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

आपातकाल का विरोध करते हुए मीसाबंदी के रूप में जेल में ही शहीद हुए जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में शुमार हशमत वारसी के शहीदी दिवस पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने उन्हें याद किया और खिराज ए अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश की। इस दौरान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीजों को फल वितरण किए।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अकरम खान ने बताया कि शहीद हशमत वारसी की शहादत के अवसर पर मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें याद करते हुए स्वच्छता के लिए श्रमदान करने और पौधे लगाने का काम किया। बाद में जिला अस्पताल पहुंचे कार्यकर्ताओं ने वहां भर्ती मरीजों को फल वितरण किया इस दौरान मरीजों को बताया गया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सत्ता में बने रहने के लिए लाए गए काले कानून (आपातकाल) जो लोकतंत्र पर काला धब्बा था का विरोध करने पर जनसंघ कार्यकर्ता हशमत वारसी को गिरफ्तार कर जेल में बंद कर यातनाएं दी जिसके चलते वह शहीद हुए। उनकी शहादत का ही नतीजा है कि आज न सिर्फ काला कानून बल्कि उस काले कानून को बनाने वालों का नाम और निशान सरकार के रूप में हिंदुस्तान में दिखाई नहीं पड़ रहा है।

आत्मविश्वास मेहनत और लगन ही सफलता की सीढ़ी:प्रभात कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

आत्मविश्वास मेहनत और लगन ही सफलता की सीढ़ी है। जब हम सच्चे मन से कोई काम करते हैं तो उसमें निश्चित ही सफलता मिलती है। हमारी मेहनत बेकार नहीं जाती हमें मन लगाकर पढ़ाई करना है। छोटी-छोटी चीजों से ही ज्ञान का संवर्धन होता है और असली ज्ञान ही जीवन में काम आता है। सफल व्यक्ति बनने के लिए शिक्षा ही एकमात्र साधन है।

यह बात श्योपुर जिला जेल के अधीक्षक प्रभात कुमार ने शनिवार को शासकीय हाईस्कूल रायपुरा में जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था अजलान सेवा समिति द्वारा आयोजित छात्र ज्ञान संवर्धन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र जीवन में हमें समय का सदुपयोग करते हुए हमारे शिक्षकों की बातों को मानकर उन पर चलने की आवश्यकता है हम केवल रास्ता बता सकते हैं चलना आप ही को पड़ेगा उन्होंने एटलस के माध्यम से छात्रों का ज्ञान संवर्धन किया और साथ ही त्रिभाषा हिंदी ,संस्कृत , इंग्लिश के विकास और ज्ञान के आधारभूत सिद्धान्त पर उदाहरणों के साथ मेहनत और अभ्यास करने के गुर बताए। कार्यक्रम में प्राचार्य ओमप्रकाश भाटिया,अजलान सेवा समिति के अध्यक्ष राजा खान, शिक्षक पन्नालाल नागर, सत्य प्रकाश बैरवा, रोशन लाल गर्ग, एसआर इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक नरेश धाकड़ आदि उपस्थित थे।

ईदगाह रोड पर बीच सड़क में गड्ढा दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

शहर के ईदगाह रोड पर बीच सड़क में बना गड्ढा दुर्घटना का सबब बन गया है। आए दिन इस गड्ढे में बाइक फिसलने से लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। अभी तक तो गनीमत यह रही है कि इस गड्ढे की वजह से कोई गंभीर रूप से दुर्घटनाग्रस्त नहीं हुआ है वरना तेजी के साथ गाड़ी फिसल कर गिरने से गंभीर दुर्घटना घटित भी हो सकती है।

जिला अस्पताल से ईदगाह रोड होते हुए किला की ओर जाने वाला रोड ईदगाह के आगे से बीच सड़क से खुदा हुआ है। रोड में जो गढ्ढा बना हुआ है उसमें डामर की गिट्टियां ऐसे पड़ी हुई हैं जिससे रोड में गड्ढा भी है दिखाई नहीं देता है लेकिन बाइक गड्ढे में आकर फिसल जाती है जिस जगह गढ़ा हो रहा है उसके आगे ही गहरी पुलिया भी है जिससे कोई दुर्घटना गंभीर दुर्घटना घटित होने का अंदेशा हमेशा बना रहता है। इस रोड में गड्ढा बीते दो माह से बना हुआ है लेकिन इसका मेंटेनेंस क्यों नहीं करवाया जा रहा है समझ से परे है जबकि रोड का निर्माण अभी गारंटी पीरियड में है। लोगों ने कलेक्टर अर्पित वर्मा से उक्त गड्ढे का मेंटेनेंस करवाने की मांग की है।

शहर में आज दो स्थानों पर होगे हिंदू सम्मेलन, निकालेंगे कलश यात्राएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इन दिनों शहर समेत जिलेभर में हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में रविवार को शहर श्योपुर में दो स्थानों पर हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। दोनों स्थानों पर हिंदू सम्मेलन की शुरूआत कलश यात्राएं निकाले जाने के साथ होगी। इसके लिए तैयारियां पूरी हो गई है। शहर की हनुमान बस्ती का हिंदू सम्मेलन 28 दिसंबर रविवार को विकासनगर स्थित सांवरिया सेठ मंदिर पर आयोजित किया जाएगा। जो दोपहर 2 बजे से आरंभ होगा। जबकि शहर में दूसरा हिंदू सम्मेलन बाल्मिक बस्ती में आयोजित होगा।

भगवान परशुराम मंदिर परिसर में रविवार को सुबह 11 बजे से आयोजित होने वाले इस हिंदू सम्मेलन की शुरूआत सुबह 9 बजे छारबाग से कलश यात्रा निकाले जाने के साथ होगी। छारबाग से निकलने वाली यह कलश यात्रा भगवान परशुराम मंदिर तक आयोजित होगी।

कांग्रेस सेवादल आज मनाएगा स्थापना दिवस

श्योपुर। देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में अपना सब कुछ न्योछार कर आजादी के दीवानों के साथ कंधा से कंधा मिला कर चलने वाला संगठन सेवादल आज अपना 102 वा स्थापना दिवस दलदिवस के रूप में मनाएगा। सेवादल के जिला अध्यक्ष डॉ कमल शर्मा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि सेवादल अपना स्थापना दिवस श्री राम धर्मशाला में रविवार दोपहर 12 बजे अपने दल की रीती नीति अनुसार राष्ट्रीय ध्वजवंदन करके सभी वरिष्ठजनों के ससम्मान में मनाया जाएगा। उन्होने सभी कांग्रेस पार्टी पदाधिकारियों सहित कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति होने का आग्रह किया है।

नपा के साथ प्रशासन भी बैकफुट पर, पुलिस की जिम्मेदारी हेलमेट तक सीमित

गाहे बगाहे रस्म अदायगी के तौर पर हो रही बाजार से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

गुरुवार को नगर पालिका के मदाखलत अमले ने पाली रोड पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाकर सड़क तक पसर रहे दुकानदारों के सामान हटाकर चालानी कार्रवाई की थी।

59 दुकानदारों पर सड़क पर अतिक्रमण करने और एक पर पॉलिथीन संग्रहित करने के मामले में जुर्माना किया गया था। तब नपा के अधिकारियों ने ऐसा प्रदर्शित किया था कि शायद अब अतिक्रमण विरोधी अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा लेकिन यह अभियान इस बार भी हमेशा की तरह एक दिन कि रस्म अदायगी बनकर रह गया। दूसरे दिन से फिर वही सड़कों पर अतिक्रमण और जाम की स्थिति से लोग दोचार होते दिखे। बाजार में यातायात की परेशानी से जूझ रहे आमजन को न तो नपा राहत प्रदान कर रहा है न यातायात विभाग। शहर में कार्रवाई के नाम पर यातायात पुलिस सिर्फ बिना हेलमेट बाईक चलाने वालों पर चालानी कार्रवाई कर कर्तव्य से इतिश्री कर रही है।

कलेक्टर अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में पूर्व में आयोजित हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिला प्रशासन नपा ओर पुलिस के माध्यम से संयुक्त अभियान चलाकर शहर के बाजारों से अतिक्रमण हटाकर यातायात सुगम बनाने का प्रयास करना था लेकिन नगर पालिका की अव्यवस्था को देखते हुए दल पहले ही दिन अभियान को अधूरा छोड़ वापस हो लिया था। वहीं पुलिस की कार्रवाई भी यातायात को सुगम बनाने के लिए सिर्फ हेलमेट लगवाने तक ही सीमित बनी हुई है, जिसके चलते बाजारों में रोज जाम की स्थिति से लोगों को दो-चार होना पड़ रहा है। शहर का ऐसा कोई बाजार नहीं है, जहां जाम लगने की स्थिति निर्मित ना होती हो, बाजारों में बड़े वाहन बे खटके आ जा रहे हैं जिसके कारण बार-बार जाम लग रहा है। जाम लगने और खुलवाने तक के लिए भी यातायात कर्मी या पुलिस का कोई सिपाही दूर-दूर तक दिखाई नहीं पड़ता है, जाम की स्थिति से सबसे अधिक गांधी पार्क से लेकर सुबात चौराहा तक, जय स्तंभ से लेकर पटेल चौक तक पटेल चौक से एकीकृत बस स्टैंड तक, बड़ौदा रोड वाले क्षेत्र अधिक प्रभावित हो रहे हैं जहां आए दिन जाम की स्थिति निर्मित हो रही है।

पार्किंग अभाव बना परेशानी

शहर में कहीं भी पार्किंग व्यवस्था नहीं है जिसके कारण खरीदारी के लिए बाजार में आने वाले लोगों को अपनी बाइक वहीं खड़ी करनी पड़ती है जहां से वह खरीदारी करते हैं जिसके कारण बाजार में जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। हालांकि पार्किंग के लिए जिला प्रशासन ने कई बार स्थान चिन्हित भी किए हैं पर नगर पालिका उक्त स्थलों को पार्किंग के रूप में बदलने में रुचि नहीं दिखाई जिस हालत बद से बदतर होते चले गए।

हेलमेट लगवाने तक सीमित पुलिस की जिम्मेदारी

बाजारों में लगने वाले जाम को खुलवाने और यातायात को सुगम बनाने की जिम्मेदारी ट्रैफिक विभाग और पुलिस की होती है। इसलिए यातायात पुलिस और कोतवाली पुलिस को इस दिशा में कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन पुलिसकर्मी सिर्फ औपचारिकता निभाते दिखाई देते हैं। गाहे बगाहे स्कूल बसों को अनफिट करार देकर कर उसमे सवार मासूम बच्चों को सड़क पर ही उतारकर चलानी करवाई करने के अलावा यातायात सुधार के खास काम करते दिखाई नहीं पड़ते हैं, कोतवाली के आसपास सोना लॉज और नगरपालिका के सामने दोनों जगह बड़ी संख्या में वाहन बीच रोड पर पार्क करने से जाम लग जाता है लेकिन पुलिस कर्मियों को यह जाम दिखाई नहीं पड़ता है वह सिर्फ बिना हेलमेट के बाइक चलकर कौन कोतवाली के सामने से विकल रहा है इस पर ही ध्यान केंद्रित रखे हुए हैं।

इनका कहना है...

अभी कलेक्टर के निर्देश पर शहरी क्षेत्र व उसके आसपास अवैध रूप से बनाई गई कॉलोनियों को हटाने की कार्रवाई चल रही है जिसमें नपा का अमला भी लगा हुआ है। जैसे ही अमला फ्री होगा वैसे ही बाजार में भी अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाएगा।

आरआर यादव
सीएमओ श्योपुर

आकस्मिक निरीक्षण करने पहुंचे एसपी तो कोतवाली में गैरहाजिर मिले चार पुलिसकर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल ने शनिवार को शहर में मौजूद कोतवाली समेत चार थानों देहात, महिला और अजाक थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया और पेडिंग अपराधों की जानकारी लेते हुए 31 दिसंबर से पहले उनका हर हाल में निराकरण करने के निर्देश दिए।

खास बात यह है कि एसपी जब कोतवाली थाने का निरीक्षण कर रहे थे,तब उन्हें चार पुलिसकर्मी गैर हाजिर मिले। यह चारो पुलिसकर्मी 25 दिसंबर को सुरक्षा संबंधी विशेष ड्यूटी के लिए ग्वालियर भेजे गए थे। लेकिन ड्यूटी पूरी होने के बाद ये पुलिसकर्मी अभी तक वापस नहीं लौटे है। इस पर एसपी ने कडी नाराजगी व्यक्त करते हुए न सिर्फ उनकी कोतवाली थाने में गैरहाजिरी डलवाई,बल्कि कोतवाली टीआई सतीश सिंह चौहान को इस मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।ताकि बिना कोई सूचना के गैर हाजिर रहने वाले इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

कोतवाली, देहात, महिला थाना तथा अजाक थाने का निरीक्षण करते हुए एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित दिए कि इस साल के सभी पेडिंग अपराधों का निराकरण 31 दिसंबर तक किया जाए,इसके बाद नए साल में नए सिरे से अपराधों को पंजीबद्ध करने के लिए स्टेशनरी खरीदने सहित अन्य तैयारियां भी अभी से शुरू की जाए। एसपी ने कहा कि बिना किसी कारण के किसी को थानो में अनुचित तरीके से बैठाया नहीं जाए। यदि ऐसा किया तो कार्रवाई की जाएगी।एसपी ने शहर के थानों का निरीक्षण करने के साथही एसडीओपी कार्यालय का भी निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी के साथ एसडीओपी राजीव कुमार गुप्ता भी मौजूद थे।

जिसके पास प्रेम धन है, वह कभी निर्धन नहीं हो सकता:शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

विकासनगर स्थित सांवरिया सेठ मंदिर पर आयोजित श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन शनिवार को कथा व्यास पं नितेश शास्त्री ने सुदामा चरित्र और राजा परीक्षित की कथा सुनाई। कथा के दौरान, जब द्वारपाल ने द्वारिकाधीश भगवान श्रीकृष्ण को बताया कि एक ब्राह्मण सुदामा उनसे मिलने आए हैं, तो भगवान नंगे पांव ही अपने मित्र की अगवानी करने पहुंच गए। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोग आश्चर्यचकित रह गए कि आखिर सुदामा में ऐसा क्या है कि स्वयं भगवान उनसे मिलने दौड़े चले आए। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बचपन के मित्र सुदामा को गले लगाया और उन्हें राजमहल के अंदर ले गए। उन्होंने सुदामा को अपने सिंहासन पर बैठाकर स्वयं अपने हाथों से उनके पांव पखारे। इस प्रकार भगवान ने मित्रता का धर्म निभाया और यह संदेश दिया कि जिसके पास प्रेम धन है, वह कभी निर्धन नहीं हो सकता। कथा व्यास ने इस दौरान राजा परीक्षित की कथा का भी वर्णन किया।

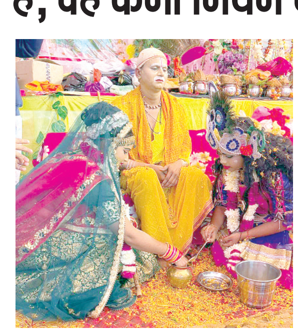

गांव का ही एक आदमी ठेकेदार को लेकर आया था, पुलिस और सहरिया क्रांति ने 48 घंटे में दिलाई आजादी

नरक से वापसी: महाराष्ट्र के गन्ना खेतों में बंधक 16 सहरिया मजदूरों की आंखों में अब भी तैर रहा कैद के 2 माह का खौफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करैरा

करेरा गुलामी की जंजीरें जब टूटती हैं, तो इंसान सबसे पहले खुली हवा में सांस लेता है, लेकिन शिवपुरी के सेंवड़ा गाँव के उन 16 मजदूरों के लिए यह सांस भी भारी थी। पिछले दो महीनों से महाराष्ट्र के सोलापुर में अमानवीय यातनाओं का दंश झेल रहे ये सहरिया आदिवासी जब अपने घर लौटे, तो मंजर भावुक कर देने वाला था। आज जब ये मजदूर सहरिया क्रांति के संयोजक संजय बेचैन के निवास पर पहुँचे, तो उनका सब्र का बांध टूट गया। वे गले लगकर रोने लगे। उनकी सिसकियों में रिहाई की खुशी कम और उन काली रातों का खौफ ज्यादा था, जिन्हें उन्होंने गन्ने के खेतों में बंधक बनकर भोगा था।

विश्वासघात और 1400 किलोमीटर दूर कालकोठरी

इस दर्दनाक दास्तां की शुरुआत भरोसे के कत्ल से हुई। सेंवड़ा गाँव का ही निवासी नीतेश आदिवासी करीब ढाई माह पहले एक ठेकेदार को लेकर आया था। सुनहरे भविष्य और अच्छी मजदूरी का सपना दिखाकर उसने 5 परिवारों के 23-24 लोगों को सोलापुर (महाराष्ट्र) जाने के लिए राजी कर लिया। भूख और गरीबी से जूझ रहे इन भोले-भाले आदिवासियों को लगा कि शायद 15 दिन की मेहनत उनकी किस्मत बदल देगी। लेकिन उन्हें क्या पता था कि वे मजदूरी करने नहीं, बल्कि एक आधुनिक जेल में कैद होने जा रहे हैं।

वहाँ पहुँचते ही नीतेश, जो उनका अपना था, मजदूरों के हिस्से के पैसे लेकर फरार हो गया। इसके बाद शुरू हुआ ठेकेदार का कहर। जो मजदूर बचे थे, उन्हें बंधक बना लिया गया। सुबह 3 बजे अँधेरे में उन्हें नींद से जगाकर गन्ने के खेतों में झोंक दिया जाता और रात के 10 बजे तक, यानी लगातार 19 घंटे जानवरों की तरह काम कराया जाता। अगर कोई थकान से गिर पड़ता, तो लाठियों से पीटा जाता। भरपेट खाना तो दूर, पीने का साफ पानी भी मयस्सर नहीं था। इन मजदूरों के साथ मासूम बच्चे और किशोरियाँ भी थीं, जो इस नरक को भोगने के लिए मजबूर थीं।

वह दिन जब सब्र का बांध टूटा यातनाओं का दौर चलता रहा, लेकिन घर पर रह गए परिजनों की बेचैनी बढ़ रही थी। अंततः 24 दिसंबर 2025 को सब्र का बांध टूट गया। सहरिया क्रांति के कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में अशोक आदिवासी और पीड़ति परिवारों की महिलाओं ने शिवपुरी पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया। उनकी आँखों में आँसू और जुबां पर अपनों को खोने का डर था। उन्होंने एसडीओपी संजय चतुर्वेदी को अपनी आपबीती सुनाई और बताया कि कैसे उनके परिजन सोलापुर में कैद हैं और बिचौलिया नीतेश उन्हें बेचकर भाग गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (रढ) अमन सिंह राठौड़ ने इसे तत्काल संज्ञान में लिया। उन्होंने पीड़ति परिवारों को ढांढस बंधाया और वादा किया कि उनके परिजनों को हर हाल में सुरक्षित वापस लाया जाएगा। यह महज एक आश्वासन नहीं था, बल्कि एक मिशन था।

एसपी अमन सिंह राठौड़ ने तुरंत सोलापुर (महाराष्ट्र) के पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी और पंडरपुर के एसडीओपी प्रशांत डगले से संपर्क साधा। इधर, शिवपुरी से थाना प्रभारी सुभाषपुरा राजीव दुबे को एक्शन मोड में लाया गया। मोबाइल लोकेशन ट्रेस की गई तो पता चला कि मजदूर सोलापुर जिले के ग्राम पिराचीकिरौली, थाना पंडरपुर में हैं।

सूचना मिलते ही सुभाषपुरा थाने के उप निरीक्षक अनिल पाटिल अपनी टीम के साथ महाराष्ट्र के लिए रवाना हुए। लेकिन चुनौती बड़ी थी—मजदूरों के पास न पैसा था और न ही वापस आने का साधन। दूरी करीब 1400 किलोमीटर थी। तब एसपी शिवपुरी के निर्देश पर एक विशेष क्रूजर वाहन का इंतजाम किया गया। महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से जब शिवपुरी पुलिस की टीम पिराचीकिरौली के उस खेत में पहुँची, तो मजदूरों को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ। पुलिस ने जब ठेकेदार के चंगुल से उन्हें मुक्त कराया, तो वे फूट-फूट कर रो पड़े। पूछताछ में पता चला कि नीतेश आदिवासी ने ही उन्हें इस हालत में पहुँचाया था।

महज 48 घंटे के भीतर, पुलिस ने 15 आदिवासियों को सकुशल रेस्क्यू कर लिया। मुक्त कराए गए लोगों में बनवारी, सरबती, नीलम (18), रामबरन (11), लालाराम, सोमबती, ललिता, संदीप, साजन, नंदनी, संतोष, काजल, सुजना और संगीता शामिल हैं। आज जब ये मजदूर अपने गाँव सेंवड़ा वापस पहुँचे, तो माहौल गमगीन था। सहरिया क्रांति के संयोजक संजय बेचैन ने कहा यह घटना आधुनिक भारत के माथे पर कलंक है। यह सिर्फ मजदूरी का मामला नहीं, बल्कि मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी अधिनियम का खुला उल्लंघन है। उन्होंने प्रशासन से माँग की है कि बिचौलिए नीतेश और दोषी ठेकेदार पर 'एट्रोसिटी एक्ट' और 'बंधुआ श्रम उन्मूलन अधिनियम' के तहत कड़ी कार्रवाई हो।

अक्टूबर से अब तक 60 से अधिक जीवन बदलने वाली सर्जरी को मिला सहयोग

बीपीसीएल बीना रिफाइनरी और स्माइल ट्रेन की साझेदारी से मध्यप्रदेश के 11 ज़िलों में होगी निःशुल्क क्लेफ्ट सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीना

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड बीपीसीएल बीना रिफाइनरी विश्व की सबसे बड़ी क्लेफ्ट केन्द्रित गैर-सरकारी संस्था स्माइल ट्रेन इंडिया के साथ साझेदारी में, मध्य प्रदेश के वंचित समुदायों से आने वाले बच्चों के जीवन में सार्थक बदलाव ला रही है। अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत यह साझेदारी भोपाल और सागर संभाग के 11 ज़िलों में 220 निःशुल्क क्लेफ्ट सर्जरी का समर्थन कर रही है। यह निरंतर चल रहा सहयोग यह सुनिश्चित कर रहा है कि आर्थिक अभाव किसी भी बच्चे के लिए गुणवत्तापूर्ण क्लेफ्ट उपचार प्राप्त करने में बाधा न बने। अक्टूबर से अब तक 63 बच्चों को स्माइल

ट्रेन के विश्वसनीय पार्टनर अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से निःशुल्क, जीवन बदलने वाली सर्जरी का लाभ मिल चुका है। इन सर्जरी से बच्चों को बेहतर तरीके से खाने, सांस लेने, बोलने और आत्मविश्वास के साथ मुस्कुराने का अवसर मिल रहा है। जिससे उनके स्वस्थ और खुशहाल भविष्य के द्वार खुल रहे हैं। सर्जिकल उपचार के साथ-साथ यह पहल इस जागरूकता पर भी जोर देती है कि क्लेफ्ट पूरी तरह से उपचार योग्य है, और समय पर तथा गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा हस्तक्षेप से दीर्घकालिक स्वास्थ्य और विकास संबंधी चुनौतियों को रोका जा सकता है। भारत में हर वर्ष लगभग 35 हजार बच्चे क्लेफ्ट के साथ जन्म लेते हैं और उपचार की सुविधा न मिलने पर कई बच्चों को पोषण, वाणी, श्रवण और सामाजिक बहिष्करण जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बीपीसीएल बीना रिफाइनरी की सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता और स्माइल ट्रेन की विशेषज्ञता को एक साथ लाकर, यह साझेदारी जीवन बदल रही है और इस संदेश को दोहराती है कि किसी भी बच्चे को एक उपचार योग्य स्थिति के कारण पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

भगवान श्री कृष्ण ने अपने जीवन काल में हमको दीं अनेकों शिक्षाएं : भाग्यश्री भारती

बीना। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के षष्टम दिवस में कथा व्यास साध्वी भाग्यश्री भारती ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण जी ने अपने जीवन काल में हमें अनेकों शिक्षाएं दीं। आज हम भगवान श्री कृष्ण के भक्त तो कहलाते हैं, लेकिन क्या उनके सिद्धांतों को, शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण किया? यदि उनके सिद्धांतों को हमने धारण किया होता तो आज हमारे देश में गौ मां की स्थिति बहुत ही अच्छी होती। वह भारत देश जहां 'विप्र धेनु सुर संत हित' भगवान समय-समय पर अवतार धारण करते हैं, उस भारत में आज गाय की इतनी अवहेलना क्यों? इसके पीछे एक ही कारण है कि हम गौ मां की महानता को अभी तक जान ही नहीं पाए। इसलिए आवश्यकता है अपनी गौ संस्कृति

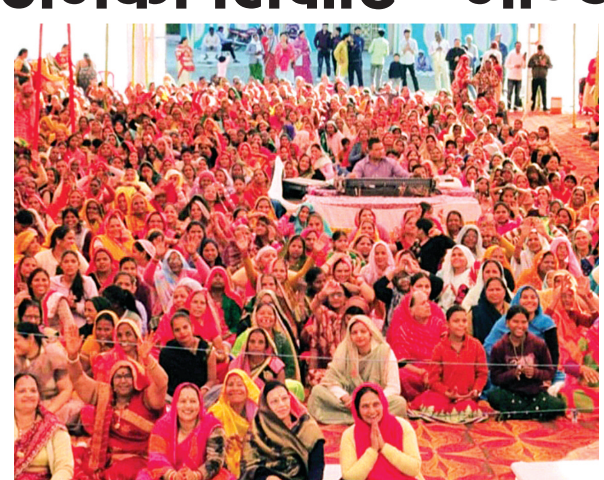

को जानने की क्योंकि हमारी गौ संस्कृति दुनिया की श्रेष्ठ संस्कृति है, सबसे महान संस्कृति है। संस्थान के बारे में बताते हुए साध्वी ने कहा कि दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से गौ मां के संवर्धन व संरक्षण के लिए सराहनीय कदम उठाएं जा रहे हैं। जिसके तहत कामधेनु नाम का एक सामाजिक प्रकल्प चलाया जा रहा है। इस प्रकल्प के अंतर्गत बहुत सी गौशालाओं में भारत की सर्वश्रेष्ठ देसी नस्ल की गौओं का संरक्षण संवर्धन व नस्ल सुधार कार्यक्रम किया जा रहा है। आगे कंस वध प्रसंग सुनाते हुए साध्वी ने बताया कि द्वापर युग में तो एक कंस था, जिसका वध भगवान श्री कृष्ण जी ने किया। किंतु आज मन के पीछे लगे अधिकतर मानव कंस की भूमिका बड़ी सहजता से निभा रहे हैं। इस घोर कलिकाल में आज प्रत्येक व्यक्ति का मन काम, क्रोध, लोभ, मोह रूपी विकारों की आग में झुलस रहा है। इसलिए आवश्यकता है भगवान श्री कृष्ण जैसे गुरु की, जो हमारे बुरे मन रूपी कंस को मार कर हमारे जीवन में धर्म की स्थापना कर सकें। धर्म का अर्थ बताते हुए साध्वी ने कहा कि धर्म संस्कृत की धृ धातु से निकला है, जिसका अर्थ है धारण करना। उस ईश्वर को जब प्रत्येक मानव ब्रह्मज्ञान के द्वारा अपने अंतःकरण में धारण करेगा तो हमारे समाज में स्वतः शांति व आनंद की लहर दौड़ उठेगी। इसलिए ब्रह्मज्ञान से जुडें।

सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी व सरल बनाना शैक्षिक संवाद का मूल उद्देश्य : महेश लोधी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करैरा

डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार के निर्देशन एवं बीआरसीसी विनोद तिवारी के मार्गदर्शन में जन शिक्षा केंद्र शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करैरा में कक्षा 6 से 8 तथा कक्षा 3 से 5 पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए एक अत्यंत उपयोगी शैक्षिक संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें पुनरावलोकन, समेकन तथा प्राथमिक कक्षाओं में प्रभावी लेखन कौशल को विकसित करने पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई, जिसके बाद उपस्थित शिक्षकों ने सामूहिक रूप से सरस्वती वंदना गाई और फिर एक प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बनाया। जन शिक्षा केंद्र प्रभारी अरविंद यादव ने अपने उद्बोधन में स्पष्ट रूप से कहा कि शिक्षक इस केंद्र से जो भी नई तकनीकें, विचार या शिक्षण विधियां ग्रहण करें, उन्हें अनिवार्य रूप से अपने स्कूलों में बच्चों तक पहुंचाएं, क्योंकि शिक्षा का सच्चा लाभ तभी संभव है जब ज्ञान सीधे विद्यार्थियों तक पहुंचकर उनके जीवन को समृद्ध करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षक कक्षा में केवल पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य निर्माता होते हैं, इसलिए नई सीख को तुरंत अमल में लाना जरूरी है। इसी क्रम में बीएसी महेश कुमार लोधी ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया कि शैक्षिक संवाद का मूल लक्ष्य सीखने की पूरी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, सरल, रोचक और आनंददायक बनाना है, ताकि बच्चे पढ़ाई से ऊबें नहीं बल्कि उसका आनंद उठाएं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि शिक्षक का एक छोटा-सा सकारात्मक संवाद किसी बच्चे के आत्मविश्वास को बढ़ा सकता है और उसके जीवन की दिशा-दशा पूरी तरह बदल सकता है, इसलिए कक्षा में संवाद को केवल माध्यम नहीं बल्कि शिक्षा का केंद्र बनाना चाहिए। इसमें जन शिक्षक संदेश जैन, बृजमोहन बरार, आरती गुप्ता, रविंद्र श्रीवास्तव, मोहर सिंह बघेल, राकेश पाठक, रामकुमारी लोधी, अनिल लोधी, रामदेवी करोठिया, पूर्ति तिवारी सहित दर्जनों अन्य शिक्षकों ने सक्रियता के साथ भाग लिया तथा शिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने अनुभव, चुनौतियां और सफल प्रयोग साझा किए। शिक्षकों ने विशेषकर प्राथमिक स्तर पर लेखन कौशल को मजबूत करने, बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने तथा पाठ्यक्रम के समेकन के नए-नए तरीकों पर विचार-विमर्श किया। इस संवाद ने न केवल शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया बल्कि आने वाले दिनों में कक्षाओं में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में एक ठोस कदम साबित हुआ। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने इस आयोजन की सराहना की और भविष्य में ऐसे शैक्षिक संवादों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की, ताकि शिक्षक निरंतर नई तकनीकों से जुड़े रहें और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर सकें। इस कार्यक्रम ने शिक्षकों को नई प्रेरणा, ऊर्जा और दिशा प्रदान की तथा वे अपने-अपने विद्यालयों में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु और अधिक समर्पित हो गए।

बीना कप के चौथे दिन पहले राउंड के छह रोमांचक मुकाबले हुए, अशोकनगर, ललितपुर ने जीते मैच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीना

बस स्टैंड के सामने मैदान में चल रहे पंडित राकेश सिरोठिया क्रिकेट टूर्नामेंट ₹बीना कप₹ के चौथे दिन शनिवार को पहले राउंड के छह रोमांचक मुकाबले हुए। पहला मैच दमोह और ढुरुआ के बीच हुआ। जिसमें चार विकेट से दमोह विजय रही, मैन ऑफ द मैच पुष्पेंद्र रहे। दूसरा मैच फोर्स इलेवन बीना और आरसीसी ललितपुर के बीच खेला गया। जिसे ललितपुर इलेवन ने 58 रनों से जीत लिया, मैन ऑफ द मैच विजय रहे, विजय ने चार विकेट लिए। तीसरा मैच नरेंद्र इलेवन बीना और सागर के बीच हुआ। सागर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवरों में चालीस रन बनाए। जिसमें नरेंद्र इलेवन के बल्लेबाजों ने महज नौं गेंदों में 41 रन बनाकर मैच जीत लिया, मैन ऑफ द मैच धनंजय डीजे रहे, धनंजय ने 2 रन देकर 4 विकेट लिए।

चौथा मैच सरपंच इलेवन अशोकनगर और किंग्स इलेवन खुरई के बीच हुआ। खुरई के बल्लेबाजों ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की। बल्लेबाजों ने आठ ओवर में 65 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए अशोकनगर की टीम ने पांच ओवर में 4 विकेट पर जीत दर्ज की। पांचवा मैच बीना व बांसी के बीच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांसी ने 39 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बीना ने बिना किसी विकेट खोए तीन ओवर में जीत हासिल की। दूसरे राउंड का छटवां मैच टौरी पंचायत और अशोकनगर के बीच हुआ। अशोकनगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए टौरी पंचायत ने पांच विकेट पर 43 रन बना सकी इस तरह 38 रन से अशोकनगर ने जीत दर्ज की। 45 रन बनाने पर मैन ऑफ द मैच गिर्राज सिंह रहे। साथ ही नरेंद्र इलेवन बीना के गेंदबाज ने लगातार 2 विकेट लेने पर 21 हजार की नगद राशि जीती।

दिलीप साहू के द्वारा नरेंद्र इलेवन के तेज गेंदबाज हप्पू चौरसिया को नगद राशि प्रदान कर पुरुस्कृत किया गया। शनिवार को अतिथि के रूप मे किराना व्यापारी संघ के पदाधिकारि अरविन्द वरया, मंसाराम सुंदरानी, रमेश लालवानी, सचिन चौधरी, विनोद जैन, अनिल, सुदामा सुंदरानी, कांग्रेस वरिष्ठ नेतागण वीरसिंह यादव, सीपी तिवारी, मनोहर लाल राय, दीनदयाल उपाध्याय, महेन्द्र सिंह ठाकुर, ओमप्रकाश पंजाबी शामिल रहे, जिन्होंने पंडित राकेश सिरोठिया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर सरपंच इलेवन व किंग्स इलेवन खुरई के मध्य टॉस करा कर मैच प्रारंभ कराया। अंपायर महेंद्र यादव, राजेश मिश्रा, सहाब सिंह राजपूत , विविध मिश्रा, सलमान लाला पडरिया रहे। मैच में कामेंटर अकरम अली, किम्मी यादव रहे, स्कोरर शुभम-कश्यप,रोहित, नीतेश, राघव रिटोरिया।